

बाद हुआ था 2. उक्त दल का सदस्य वि. बहुत ही क्रूर।

नाज़ीवाद पुं. (तद्+तत्.) प्रबल या सबल सिद्धांत, ऐसा सिद्धांत जो राष्ट्र और संसार का शासन-सूत्र बलपूर्वक अपने हाथों में लेकर चलता है, यह सिद्धांत व्यक्ति स्वातंत्र्य और जनतंत्र का परम विरोधी है।

नाजुक वि. (फा.) 1. कोमल, सुकुमार 2. पतला, बारीक, महीन 3. गूढ़ और सूक्ष्म भाव या विचार 4. इतना कोमल की सहज में ही टूट-फूट जाए 5. जिसमें अनिष्ट, अपकार, हानि की विशेष संभावना हो।

नाजुक-दिमाग वि. (फा.+अर.) 1. जिसका दिमाग या मस्तिष्क इतना कोमल हो कि अपनी इच्छा, रुचि आदि के विपरीत होने वाली छोटी-सी बात भी न सह सके 2. बात-बात पर क्रोधित या चिढ़ने वाला व्यक्ति।

नाजुक-बदन वि. (फा.) 1. सुकुमार शरीर वाला, कोमल अंग वाला, पुं. 1. डोरिए के समान लगने वाला पुराने प्रकार का मलमल का कपड़ा, 2. गुल्लाला नामक फूल और पौधा।

नाजुक मिजाज वि. (फा.+अर.) 1. बहुत ही कोमल और मृदु प्रकृति वाला 2. दे. नाजुक-दिमाग।

नाज़ेब वि. (फा.) 1. जो देखने में उचित या ठीक न लगे, अनुपयुक्त, 2. भद्दा, भौंडा 3. अश्लील।

नाज़ो स्त्री. (फा.) 1. चटक-मटक कपड़े पहन बन ठन कर नाज़ नखरे दिखाने वाली स्त्री 2. कोमल, प्यारी या लाइली स्त्री।

नाट पुं. (तत्.) 1. नृत्य, नाच 2. नकल, स्वाँग 3. कर्नाटक के पास का एक प्राचीन देश 4. 'नाट' प्रदेश का निवासी 5. संगीतशास्त्र के अनुसार एक प्रकार का राग जो किसी के मत में मेघराग का और किसी के मतानुसार दीपक राग का पुत्र है पुं. काँटे, कील आदि की वह नोक जो चुभने पर शरीर के अंदर टूटकर रह जाती है।

नाटक पुं. (तत्.) 1. एक प्रमुख गद्य विधा जिसका संबंध रंगमंच से माना गया है, इसका

लेखन रंगमंच पर प्रदर्शन हेतु किया जाता है, नटों या अभिनेताओं के द्वारा रंगमंच पर होने वाला ऐसा अभिनय जिसमें वे दूसरे पात्र का रूप धारण कर उनके आचरण, कार्य, चरित्र, हाव-भाव आदि का प्रदर्शन करते हैं 2. वह साहित्यिक रचना जिसमें किसी कक्ष या घटना का ऐसे ढंग से निरूपण हुआ हो कि रंगमंच पर सहज से उसका अभिनय हो सके 3. नाट्य या अभिनय करने वाला 4. कोई ऐसा आचरण, कार्य या व्यवहार जो दूसरों को दिखाने या धोखा देने के उद्देश्य से किया जाता है। drama

नाटकशाला स्त्री. (तत्.) दे. नाट्यशाला।

नाटकादेवदारु पुं. (तत्.) दक्षिण भारत में उगने वाला एक प्रकार का पेड़ जिसकी लकड़ी से विशेष प्रकार का तेल निकलता है, इसकी कलियों से साग बनता है और फल गरीब लोग सूखा पड़ने पर खाते हैं।

नाटकावतार पुं. (तत्.) किसी नाटक में अभिनय के अंतर्गत होने वाला दूसरे नाटक का अभिनय।

नाटकिया पुं. (तद्.) 1. नाटक में अभिनय करने वाला 2. बहुरूपिया।

नाटकी स्त्री. (तत्.) इंद्रसभा, पुं. नाटक करके जीविका उपार्जन करने वाला व्यक्ति, नाटकिया, वि. दे. नाटकीय।

नाटकीकरण पुं. (तत्.) किसी कथा या कहानी को नाट्य विधा में रूपांतरित करना मनो. एक मानसिक प्रक्रिया जिसके कारण स्वप्न में अवचेतन की अनेक इच्छाएँ या मूल तथ्य मूर्त रूप से अभिव्यक्त होता है।

नाटकीय वि. (तत्.) 1. नाटक संबंधी, नाटक का 2. बहुत ही आकस्मिक रूप से लेकिन कुशलता तथा चतुराई से किया जाने वाला।

नाटकोचित वि. (तत्.) 1. जो नाटक के अनुरूप हो या जो नाटक के योग्य हो 2. असाधारण और अप्रत्याशित नाटकीयता।